मारवाड़ी सम्मेलन संचालित

# बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज

नैक प्रत्यायित बी+ तृतीय चक्र

महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार:2022-23

## एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न

11, कृष्ण कुंज, वाच्छा गांधी रोड, गामदेवी, ग्रांट रोड (पश्चिम), मुंबई-400007.

Tel : 022 23808130, Email : bmruia@yahoo.com, Web : bmrgirlscollege.co

शैक्षणिक वर्ष: **2023-2024**

हिंदी विभाग द्वारा आयोजित गतिविधियाँ

जश्न-ए-आज़ादी **Achievement @75** के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर **'**पर्यावरण संकट और संपूर्णन्याय का प्रश्न**'** विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न**…**

05 जून 2023(मुंबई) को 'जश्न-ए-आजादी:अमृत महोत्सव'(Achievement @75) के अंतर्गत बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'पर्यावरण संकट और संपूर्णन्याय का प्रश्न' विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त संयोजन में 05 जून 2023 को डॉ.गोपाल कृष्ण (प्रख्यात पर्यावरणविद, नई दिल्ली) के निर्देशन में कार्यशाला संपन्न हुई। उन्होंने महाभारत के शांति पर्व भीष्म और युधिष्ठिर के संवाद से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि जब युधिष्ठिर भीष्म से प्रकृति के बारे में पूछते हैं कि पृथ्वी, पहाड़, समंदर, नदियाँ, सूर्य, चंद्र, वायु, अग्नि, आकाश, क्षितिज आदि क्या हैं? इसी के उत्तर में भीष्म पर्यावरण की विषद व्याख्या करते हुए कहते हैं कि प्रकृति अर्थात पर्यावरण भी ईश्वर का ही रूप है। यही संवाद वेदों में महर्षि भृगु और भारद्वाज ऋषि के संवाद में भी देखा जा सकता है।

डॉ. गोपाल कृष्ण ने पर्यावरण संकट को ज्ञान-मीमांसा और तत्व मीमांसा की अवधारणा के द्वारा स्पष्ट करते हुए छह तत्वों की व्याख्या से स्पष्ट किया- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, अर्थापत्ति, अनुपलब्धि और शब्द। उन्होंने कार्यशाला के दौरान वर्तमान समय में पर्यावरण संकट के प्रति संपूर्ण न्याय के प्रश्न पर चर्चा करते हुए यह कहा कि वर्तमान में पर्यावरण संकट से निबटने के लिए सिर्फ भारत सरकार और सरकारी संस्थानों के साथ-साथ प्रत्येक जन-मन की भागीदारी अनिवार्य हो गयी है। उन्होंने प्रत्येक संस्थान, प्रत्येक संगठन में पर्यावरण विभाग की अनिवार्यता पर बल दिया और कहा कि प्रत्येक पेड़-पौधा हमारा भाई-बहन है, अब हमें इस चेतना के साथ जीने की जरूरत है। इस कार्यशाला में 50 पर्यावरण प्रेमी और शिक्षा जगत से जुड़े सम्मानित सदस्य गूगल मीट के ऑनलाइन मोड पर जुड़े।

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित

# बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज

नैक प्रत्यायित बी+(तृतीय चक्र)

एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न

11,कृष्ण कुंज, वाछा गांधी रोड़, गामदेवी , ग्रांट रोड (पश्चिम) मुंबई-400007
Tel : 022 23808130, E mail : bmruia@yahoo.com, Web : bmrgirlscollege.com

## सहभागिता - प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि {{Other identifier}} से {{Full Name}} ने **बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के संयुक्त तत्वावधान में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)** के संयोजन में **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला के अंतर्गत 'विश्व पर्यावरण दिवस: 05 जून 2023' को **"जश्न-ए-आज़ादी(Achievement @75) पर्यावरण संकट और संपूर्ण न्याय का प्रश्न"** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में सहभागिता की है।

| | | |
|---|---|---|
| **डॉ. सुनीता मिश्रा** | **डॉ. नूरुज़िया क़ाज़ी** | **डॉ. संतोष कौल काक** |
| (कार्यक्रम संयोजिका) | (IQAC संयोजिका) | (प्राचार्या) |

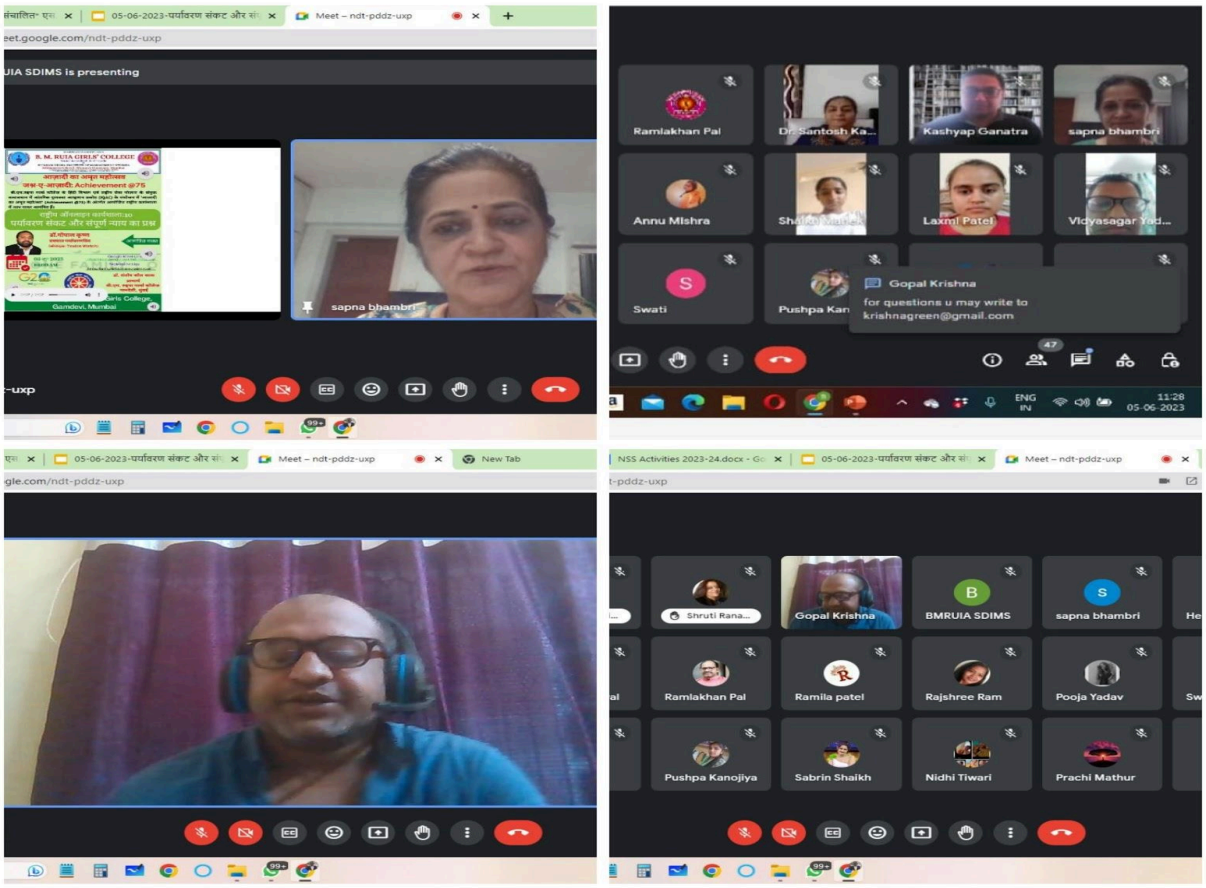


गूगल फॉर्म लिंक: https://forms.gle/EtW5ekpZcpfzqZGx9
गूगल मीट लिंक: https://meet.google.com/ndt-pddz-uxp
फीडबैक लिंक: https://forms.gle/JgD8tDxwyVr4PZWH9
एक्सल शीट लिंक: https://docs.google.com/spreadsheets/d/1Ngjhvgxpaw_SFnblky0Kqfla2huzy5wGRvVQktf0wi8/edit?usp=drivesdk

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित

# बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज

नैक प्रत्यायित बी+ (तृतीय चक्र)

महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार 2022-23

एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न

MARWADI SAMMELAN

11, कृष्ण कुंज वाच्छा गाँधी रोड, गामदेवी, ग्रांट रोड (पश्चिम), मुंबई - 400007.
Tel : 022 23808130, Email : bmruia@yahoo.com, WEb : bmrgirlscollege.com

## आज़ादी का अमृत महोत्सव

## जश्न-ए-आज़ादी: Achievement @75

बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग एवं सीताराम देवरा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ के संयुक्त तत्वावधान में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजन में आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत (Achievement@75) राष्ट्रीय कार्यशाला में आप सादर आमंत्रित हैं।

## राष्ट्रीय कार्यशाला :11

## हाइब्रिड मोड

## विषय: पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद

## अतिथि वक्ता : डॉ. बोधिसत्व

प्रख्यात-

(कवि, पुराख्यानविद्, पटकथा लेखक)

**27 July 2023**
**12:00PM**

**नीचे दिए गए लिंक से कार्यक्रम में जुड़ें**

https://meet.google.com/wbsoaqs-jpe

पंजीकरण लिंक:

https://forms.gle/ePZLpWXF55NqcNTL8

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

**Dr. Santosh Kaul Kak**
**Principal**
**B.M. Ruia Girls' College**

An Initiative by B.M. Ruia Girls' College
Gamdevi, Mumbai

जश्न-ए-आज़ादी **Achievement @75** के अंतर्गत **'**पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद**:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कौशल्य विकास**'** विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न**…**

27 जुलाई 2023(मुंबई): 'जश्न-ए-आजादी:अमृत महोत्सव'(Achievement @75) के अंतर्गत मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज(महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग एवं सीताराम देवड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़ के मास मीडिया विभाग के संयुक्त तत्वावधान में IQAC के संयोजन में 27 जुलाई 2023 को 'पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद: राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कौशल्य विकास' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. बोधिसत्व (प्रख्यात कवि, पुराख्यानविद्, पटकथा लेखक) के निर्देशन में विषय पर कार्यशाला संपन्न हुआ।

डॉ. बोधिसत्व जी की कार्यशाला तीन भागों में विभक्त रही। उन्होंने अपनी कार्यशाला के पहले भाग में भारतीय फिल्म जगत में भारतीय साहित्यकारों के योगदान की चर्चा करते हुए इनके द्वारा लिखी फिल्मों के विषय में बात की। साथ ही प्रेमचंद के मुंबई प्रवास के संघर्षों पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. बोधिसत्व जी ने कार्यशाला के दूसरे चरण में पटकथा पर बात करते हुए यह बताया कि फिल्म का केंद्रीय तत्व उसकी पटकथा होती है। हम बिना पटकथा के किसी भी फिल्म की कल्पना नहीं कर सकते हैं। एक बार हम बिना किसी नायक/ नायिका या चरित्र के अभाव में फिल्म का निर्माण कर सकते है, परंतु बिना पटकथा के फिल्म का निर्माण संभव नहीं है। साथ ही पटकथा की डिटेलिंग को उदहारणों के साथ समझाया कि किस प्रकार पटकथा फिल्म में प्राण तत्व के रूप में विद्यमान रहती है। उन्होंने पटकथा लेखन के महत्व और उसकी संभावनाओं पर बात करते हुए पटकथा लेखन में महिलाओं की भागीदारी पर बात की।

डॉ. बोधिसत्व जी ने अपनी कार्यशाला के अंतिम भाग में कौशल्य विकास के माध्यम से रोजगार की अनंत संभावनाओं के प्रति दिशा निर्देश करते हुए बताया कि पटकथा लेखन को सीख कर छात्र-छात्राएँ रोजगार आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति:2020, छात्रों के सर्वांगीण विकास में भारतीय नीति, मूल्यों और राष्ट्रीयता की भावना को महत्व देने के साथ-साथ विद्यार्थियों की आत्मनिर्भरता और उनके रोजगार को दृष्टि में रखकर कौशल्य विकास पर भी बल देती है।

इस कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 108 साहित्य और सिनेमा जगत से जुड़े अध्येयताओं, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों ने सहभाग लिया।

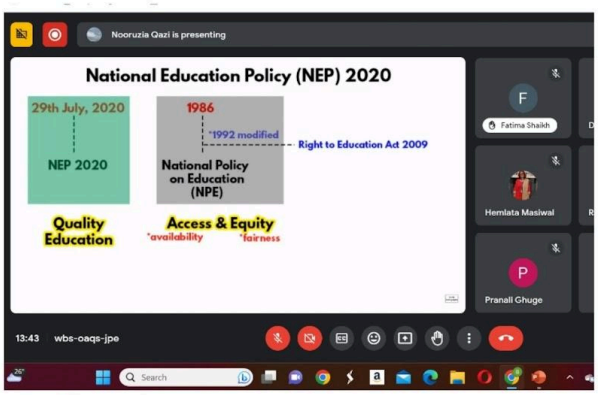
Nooruzia Qazi is presenting
National Education Policy (NEP) 2020
29th July, 2020
NEP 2020
1986
*1992 modified
National Policy on Education (NPE)
Right to Education Act 2009
Quality Education
Access & Equity
*availability
*fairness
Fatima Shaikh
Hemlata Masiwal
Pranali Ghuge
13:43 wbs-oaqs-jpe

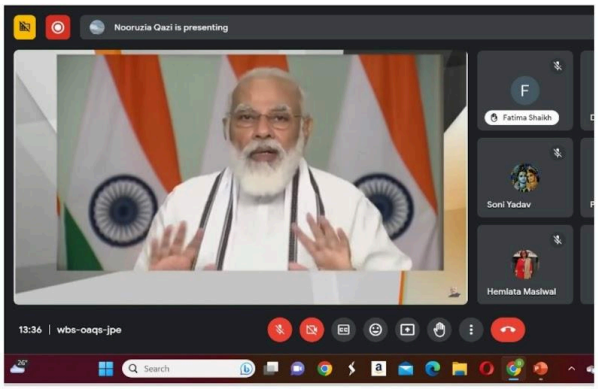
Nooruzia Qazi is presenting
Fatima Shaikh
Soni Yadav
Hemlata Masiwal
13:36 | wbs-oaqs-jpe

Maps Gmail

Ramlakhan Pal
AKSHITA SHARMA
Hemlata Masiwal
Ramlakhan Pal
Soni Yadav
97 others
oaqs-jpe
107
Search
ENG
IN

**29** जुलाई को प्रेमचंद जयंती सप्ताह के चौथे दिन गुलज़ार द्वारा निर्मित और निर्देशित 'तहरीर-ए-प्रेमचंद' की **YouTube link** छात्राओं को भेजी गयी जिसे छात्राओं ने देखा और उसका सार्थक प्रतिसाद भी मिला।

**30** जुलाई को पाँचवे दिन प्रेमचंद के रचना संसार पर आधारित ऑनलाइन राष्ट्रीय क्विज़ का आयोजन किया गया। इस क्विज में देश के **05** राज्यों के **156** प्रतिभागियों ने सहभाग लिया।

**31** जुलाई को प्रेमचंद की कहानियों की छात्राओं द्वारा नाट्य मंचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस नाट्य मंचन प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्राओं की 06 नाट्य टोलियाँ प्रतिभागी रही। जिसमें से 'बूढ़ी काकी' कहानी के नाट्य मंचन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित

# बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज

नैक प्रत्यायित बी+(तृतीय चक्र)
महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23
एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न
11,कृष्ण कुंज, वाछा गांधी रोड, गामदेवी , शांट रोड (पश्चिम) मुंबई-400007
Tel : 022 23808130, E mail : bmruia@yahoo.com, Web : bmrgirlscollege.com

## सहभागिता-प्रमाणपत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि {{Other identifier}} से {{Full Name}} ने **बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग एवं सीताराम देवड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़ के संयुक्त तत्वावधान में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC)** के संयोजन में **"आज़ादी का अमृत महोत्सव"** राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला के अंतर्गत **'प्रेमचंद जयंती उत्सव सप्ताह(25 जुलाई 2023 से 31 जुलाई 2023 )'** में 27 जुलाई 2023 को **"जश्न-ए-आज़ादी(Achievement @75) पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद"** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला में सहभागिता की है।

| | | |
|---|---|---|
| डॉ. सुनीता मिश्रा | डॉ. नूरुज़िया क़ाज़ी | डॉ. संत |
| (कार्यक्रम संयोजिका) | (IQAC संयोजिका) | (प्राचार्या) |

प्रेमचंद जयंती उत्सव सप्ताह:**2023**

**25** जुलाई **2023(**मुंबई**)** को प्रेमचंद जयंती उत्सव सप्ताह की शुरुआत 'कथा-कथन प्रतियोगिता' संपन्न हुई। यह प्रतियोगिता कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की कहानियों पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की कुल 25 छात्राओं ने प्रेमचंद की 17 कहानियों को अपने कथा-कथन के लिए चुना और कुछ कहानियों की पुनरावृत्ति भी हुई। उपरोक्त छात्राओं में से पाँच छात्राएँ विजित रहीं, जिनमें से प्रथम पुरस्कार- स्वाति प्रजापति( तृतीय वर्ष, कला), द्वितीय पुरस्कार- सेजल दुबे (बारहवीं कक्षा, वाणिज्य), तृतीय पुरस्कार- सेजल शुक्ला (तृतीय वर्ष, वाणिज्य), प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार- तरन्नुम सईद( बारहवीं कक्षा, वाणिज्य) और द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार- गायत्री जैसवाल (बारहवीं कक्षा, वाणिज्य) को प्राप्त हुआ।

**26** जुलाई **2023(**मुंबई**)** को प्रेमचंद जयंती सप्ताह**:2023** के दूसरे दिन प्रेमचंद के कथा साहित्य पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा 'प्रपत्र प्रस्तुतिकरण' रखा गया था। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की 14 छात्राएँ सहभागी रहीं जिनमें तृतीय वर्ष वाणिज्यि की कुमारी सेजल शुक्ला के प्रपत्र को सर्वश्रेष्ठ प्रपत्र के रूप में चुना गया साथ ही तृतीय वर्ष कला की कुमारी स्वाति प्रजापति के प्रपत्र को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में चुना गया।

जश्न-ए-आज़ादी **Achievement @75** के अंतर्गत **'**पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद**:** राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कौशल्य विकास**'** विषय पर राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला संपन्न**…**

27 जुलाई 2023(मुंबई): 'जश्न-ए-आजादी:अमृत महोत्सव'(Achievement @75) के अंतर्गत मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज(महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग एवं सीताराम देवड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़ के मास मीडिया विभाग के संयुक्त तत्वावधान में IQAC के संयोजन में 27 जुलाई 2023 को 'पटकथा लेखन एवं प्रेमचंद: राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कौशल्य विकास' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. बोधिसत्व (प्रख्यात कवि, पुराख्यानविद्, पटकथा लेखक) के निर्देशन में विषय पर कार्यशाला संपन्न हुआ।

डॉ. बोधिसत्व जी की कार्यशाला तीन भागों में विभक्त रही। उन्होंने अपनी कार्यशाला के पहले भाग में भारतीय फिल्म जगत में भारतीय साहित्यकारों के योगदान की चर्चा करते हुए इनके द्वारा लिखी फिल्मों के विषय में बात की। साथ ही प्रेमचंद के मुंबई प्रवास के संघर्षों पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. बोधिसत्व जी ने कार्यशाला के दूसरे चरण में पटकथा पर बात करते हुए यह बताया कि फिल्म का केंद्रीय तत्व उसकी पटकथा होती है। हम बिना पटकथा के किसी भी फिल्म की कल्पना नहीं कर सकते हैं। एक बार हम बिना किसी नायक/ नायिका या चरित्र के अभाव में फिल्म का निर्माण कर सकते है, परंतु बिना पटकथा के फिल्म का निर्माण संभव नहीं है। साथ ही पटकथा की डिटेलिंग को उदहारणों के साथ समझाया कि किस प्रकार पटकथा फिल्म में प्राण तत्व के रूप में विद्यमान रहती है। उन्होंने पटकथा लेखन के महत्व और उसकी संभावनाओं पर बात करते हुए पटकथा लेखन में महिलाओं की भागीदारी पर बात की।

डॉ. बोधिसत्व जी ने अपनी कार्यशाला के अंतिम भाग में कौशल्य विकास के माध्यम से रोजगार की अनंत संभावनाओं के प्रति दिशा निर्देश करते हुए बताया कि पटकथा लेखन को सीख कर छात्र-छात्राएँ रोजगार आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

महाविद्यालय की प्राचार्या ने अपने संबोधन में कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति:2020, छात्रों के सर्वांगीण विकास में भारतीय नीति, मूल्यों और राष्ट्रीयता की भावना को महत्व देने के साथ-साथ विद्यार्थियों की आत्मनिर्भरता और उनके रोजगार को दृष्टि में रखकर कौशल्य विकास पर भी बल देती है।

इस कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 108 साहित्य और सिनेमा जगत से जुड़े अध्येयताओं, प्राध्यापकों, विद्यार्थियों ने सहभाग लिया।

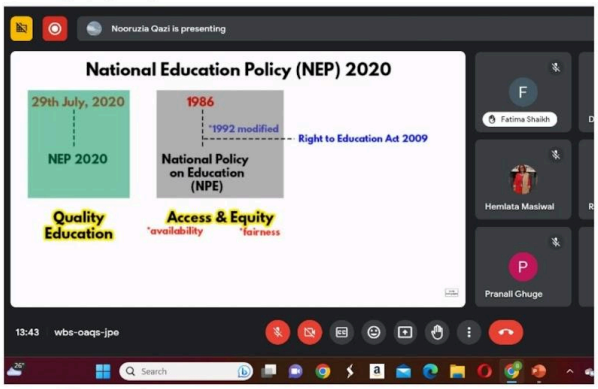
Nooruzia Qazi is presenting
National Education Policy (NEP) 2020
29th July, 2020
NEP 2020
1986
*1992 modified
National Policy on Education (NPE)
Right to Education Act 2009
Quality Education
Access & Equity
*availability
*fairness
Fatima Shaikh
Hemlata Masiwal
Pranali Ghuge
13:43 wbs-oaqs-jpe

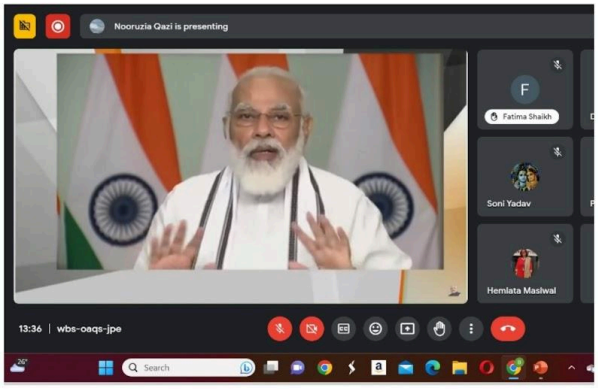
Nooruzia Qazi is presenting
Fatima Shaikh
Soni Yadav
Hemlata Masiwal
13:36 | wbs-oaqs-jpe

Maps Gmail

Ramlakhan Pal
AKSHITA SHARMA
Hemlata Masiwal
Ramlakhan Pal
Soni Yadav
97 others
107
Search
ENG
IN

**29** जुलाई को प्रेमचंद जयंती सप्ताह के चौथे दिन गुलज़ार द्वारा निर्मित और निर्देशित 'तहरीर-ए-प्रेमचंद' की YouTube link छात्राओं को भेजी गयी जिसे छात्राओं ने देखा और उसका सार्थक प्रतिसाद भी मिला।

**30** जुलाई को पाँचवे दिन प्रेमचंद के रचना संसार पर आधारित ऑनलाइन राष्ट्रीय क्विज़ का आयोजन किया गया। इस क्विज में देश के **05** राज्यों के **156** प्रतिभागियों ने सहभाग लिया।

**31** जुलाई को प्रेमचंद की कहानियों की छात्राओं द्वारा नाट्य मंचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस नाट्य मंचन प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्राओं की 06 नाट्य टोलियाँ प्रतिभागी रही। जिसमें से 'बूढ़ी काकी' कहानी के नाट्य मंचन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जश्न-ए-आज़ादी **Achievement @75** के अंतर्गत 'शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान अनुदान और प्रकाशन के अवसर' विषय पर राष्ट्रीय हाइब्रिड कार्यशाला संपन्न**…**

31 अगस्त 2023 (मुंबई) को 'जश्न-ए-आजादी:अमृत महोत्सव'(Achievement @75) के अंतर्गत बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज में राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन हिंदी विभाग एवं रिसर्च सेल के द्वारा IQAC के संयुक्त संयोजन में 31 अगस्त 2023 को जश्न-ए-आज़ादी Achievement @75 के रूप में 'शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान अनुदान और प्रकाशन के अवसर ' विषय पर डॉ. सारिका सावंत (डॉ. सारिका सावंत, सहयोगी प्राध्यापिका, एस.एच.पी.टी. स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई) के निर्देशन में कार्यशाला संपन्न हुई। डॉ. सारिका सावंत ने शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान अनुदान और प्रकाशन के अवसर पर बात करते हुए यह बताया कि अकादमिक क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए भारत सरकार के विभिन्न संस्थान अनुदान देते हैं। उन्होंने यह अपनी कार्यशाला के दौरान यह भी बताया कि शोध करने के लिए अनुदानों को किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता है। साथ ही डॉ. सारिका सावंत ने प्रकाशन के बारे में महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी प्रदान करते हुए कार्यशाला को सार्थक बनाया।

इस कार्यशाला में महाविद्यालय के 15 शिक्षक एवं 70 छात्राएँ उपस्थित रहीं तथा Online मोड पर लगभग 60 शिक्षा जगत से जुड़े सम्मानित सदस्य जुड़े।

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित

# बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज

नैक प्रत्यायित बी+ (तृतीय चक्र)

महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार 2022-23

एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न

11, कृष्ण कुंज वाच्छा गाँधी रोड, गामदेवी, ग्रांट रोड (पश्चिम), मुंबई - 400007.
Tel : 022 23808130, Email : bmruia@yahoo.com, WEb : bmrgirlscollege.com

## आज़ादी का अमृत महोत्सव

### जश्न-ए-आज़ादी: Achievement @75

बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग एवं रिसर्च सेल (Research Cell) के संयुक्त तत्वावधान में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजन में आज़ादी के अमृत महोत्सव (Achievement@75) के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में आप सादर आमंत्रित हैं।

## राष्ट्रीय कार्यशाला:12

हाइब्रिड मोड

## विषय: शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान अनुदान और प्रकाशन के अवसर

## (Research funding & Publication opportunities for Researchers)

**डॉ. सारिका सावंत**
सहयोगी प्राध्यापिका,
एसएचपीटी स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस,
एस.एन.डी. टी.महिला विश्वविद्यालय,
मुंबई



**31 August 2023**
**11:30AM**

नीचे दिए गए लिंक से कार्यक्रम में जुड़ें
https://meet.google.com/wbsoaqs-jpe
Registration link
https://forms.gle/RgaQWPWEDN4jN4gQ6

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

**डॉ. संतोष कौल काक**
प्राचार्या
बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
गामदेवी, मुंबई-400007

हिंदी सप्ताह **2023** संपन्न..

मुंबई 15 सितंबर'2023 मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के अधीन हिंदी सप्ताह 2023(08 सितंबर 2023 से 14 सितंबर 2023 तक) मनाया गया। इस सप्ताह के अंतर्गत 08 सितंबर को 'कहानी लेखन' एवं 'वाद विवाद प्रतियोगिता' संपन्न हुई। इन दोनों ही प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की 44 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। 'कहानी लेखन प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- सेजल शुक्ला, द्वितीय पुरस्कार- उर्मा चौधरी, तृतीय पुरस्कार- मानसी पुरोहित एवं प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार- काजल राजभर, द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार- आरती सोलंकी को प्राप्त हुआ। 'वाद विवाद प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- मानसी पुरोहित, द्वितीय पुरस्कार गायत्री जैसवाल और तृतीय पुरस्कार सेजल शुक्ला को प्राप्त हुआ।

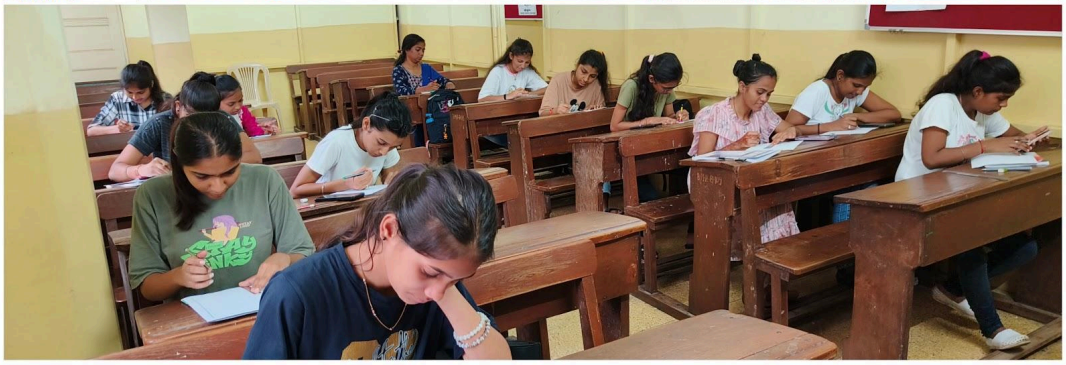

XII-A IF YOU CAN DREAM IT, YOU CAN BUILD IT :-
मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
हिंदी सप्ताह 2023
08.09.2023
(08.09.23 से 14.09.2023)
प्रतियोगिता


हिंदी सप्ताह 2023
वाद-विवाद प्रतियोगिता

**09** सितंबर को **'निबंध प्रतियोगिता'** एवं **'आशुभाषण प्रतियोगिता'** का आयोजन किया गया। इन दोनों प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की 30 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। 'निबंध लेखन प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- पूनम प्रजापति तथा द्वितीय पुरस्कार- निरमा राजपुरोहित, तृतीय पुरस्कार- सेजल शुक्ला को प्राप्त हुआ। 'आशुभाषण प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- स्वाति प्रजापति एवं द्वितीय पुरस्कार सेजल शुक्ला, तृतीय पुरस्कार- मानसी पुरोहित को प्राप्त हुआ।

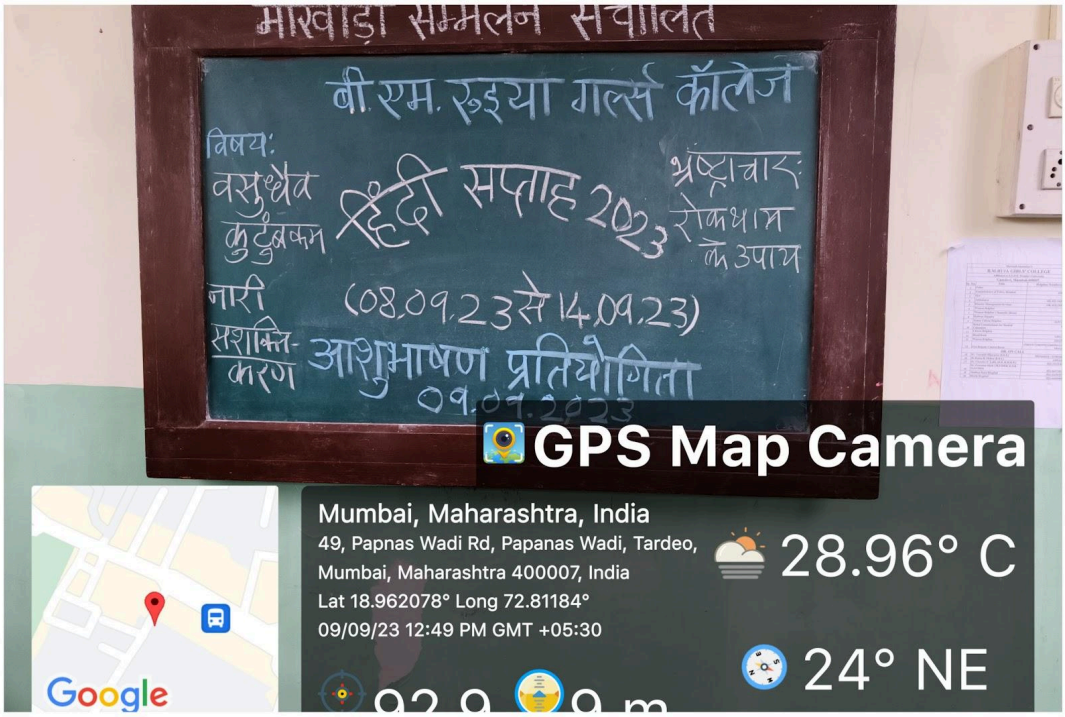

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
हिंदी सप्ताह 2023
(04.09.23 से 14.09.2023)
(अंताक्षरी प्रतियोगिता)
11.09.2023
GPS Map Camera
Mumbai, Maharashtra, India
25, N S Patkar Marg, Babulnath, Khareghat Colony, Malabar Hill, Mumbai, Maharashtra 400006, India
Lat 18.95933° Long 72.809866°
11/09/23 11:44 AM GMT +05:30
30.87° C
138° SE
Google

**10** सितंबर को 'भारतीय भाषाएँ' विषय पर क्विज़ का आयोजन किया गया। इस क्विज़ को गूगल फॉर्म के रूप में महाविद्यालय की छात्राओं को भेजा गया। इस क्विज़ में महाविद्यालय की 65 छात्राएँ सहभागी रहीं।
**11** सितंबर को हिंदी काव्य पर आधारित 'अंताक्षरी प्रतियोगिता' और 'भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इन दोनों ही प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की 33 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार- प्रियंका प्रजापति, संध्या साहनी, नरगिस शेख को प्राप्त हुआ। 'भाषण प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- मानसी पुरोहित तथा द्वितीय पुरस्कार- सैय्यद तरन्नुम को प्राप्त हुआ।

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी.एम.रुइया गर्ल्स कॉलेज
काव्य पाठ प्रतियोगिता
(स्वरचित/कविरचित)

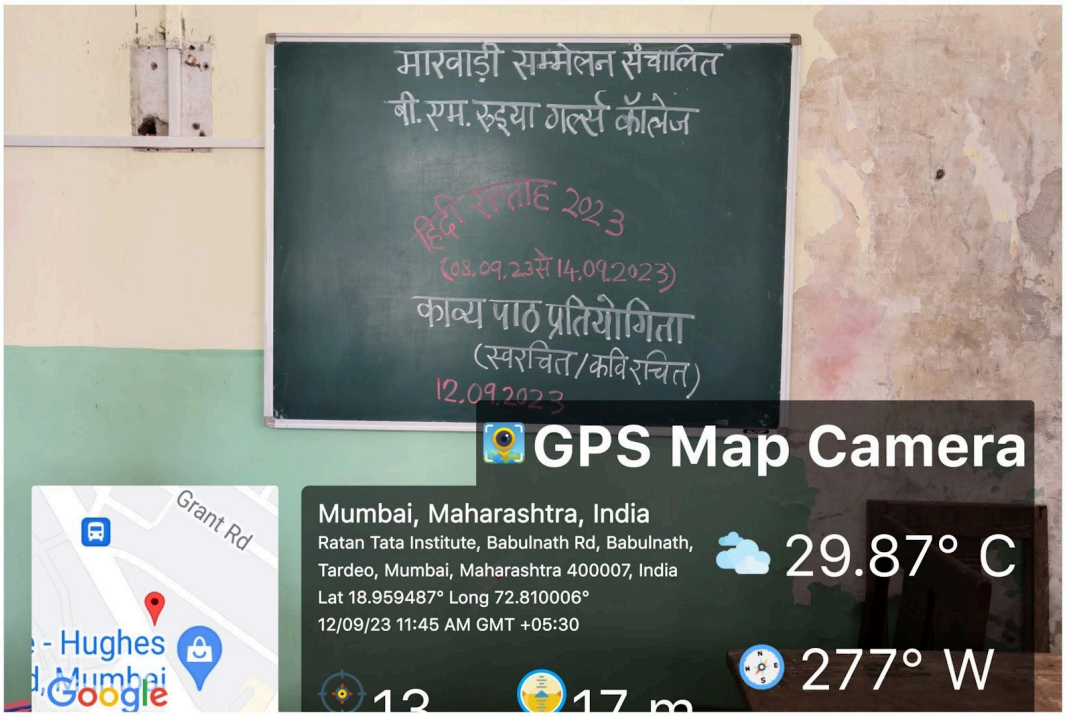
मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी.एम.रुइया गर्ल्स कॉलेज
हिंदी सप्ताह 2023
(08.09.23से 14.09.2023)
काव्य पाठ प्रतियोगिता
(स्वरचित/कविरचित)
12.09.2023
GPS Map Camera
Grant Rd
Google
Mumbai, Maharashtra, India
Ratan Tata Institute, Babulnath Rd, Babulnath,
Tardeo, Mumbai, Maharashtra 400007, India
Lat 18.959487° Long 72.810006°
12/09/23 11:45 AM GMT +05:30
29.87° C
277° W

**12** सितंबर को 'कविता प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की 17 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। 'कविता प्रतियोगिता' में प्रथम पुरस्कार- रूपम सिंह (कविरचित) तथा द्वितीय पुरस्कार- प्रियंका प्रजापति (कविरचित), तृतीय पुरस्कार- रानी राउत, तथा प्रोत्साहन पुरस्कार- संध्या शर्मा को प्राप्त हुआ।

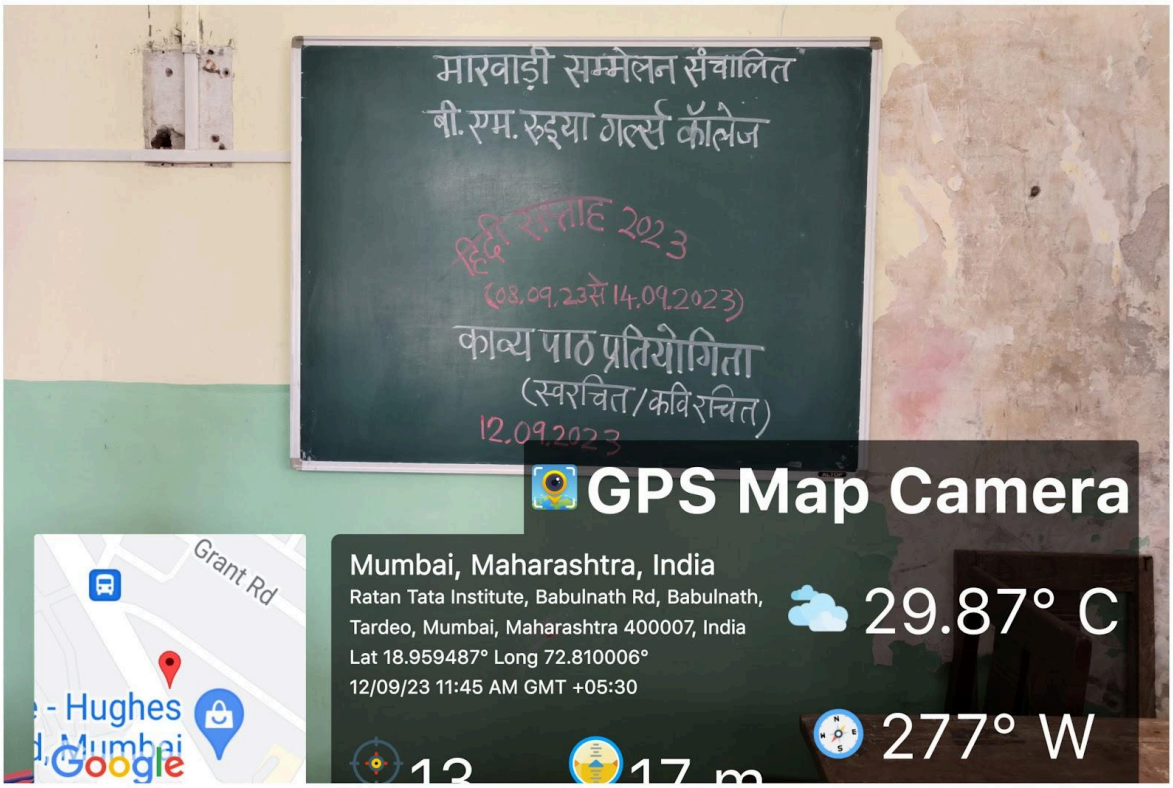

**13** सितंबर को अंतर्महाविद्यालय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध का विषय था 'मूल्य एवं कौशल्य विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा की भूमिका'। इस प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय एवं एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय से संलग्न 10 महाविद्यालयों के कुल 16 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

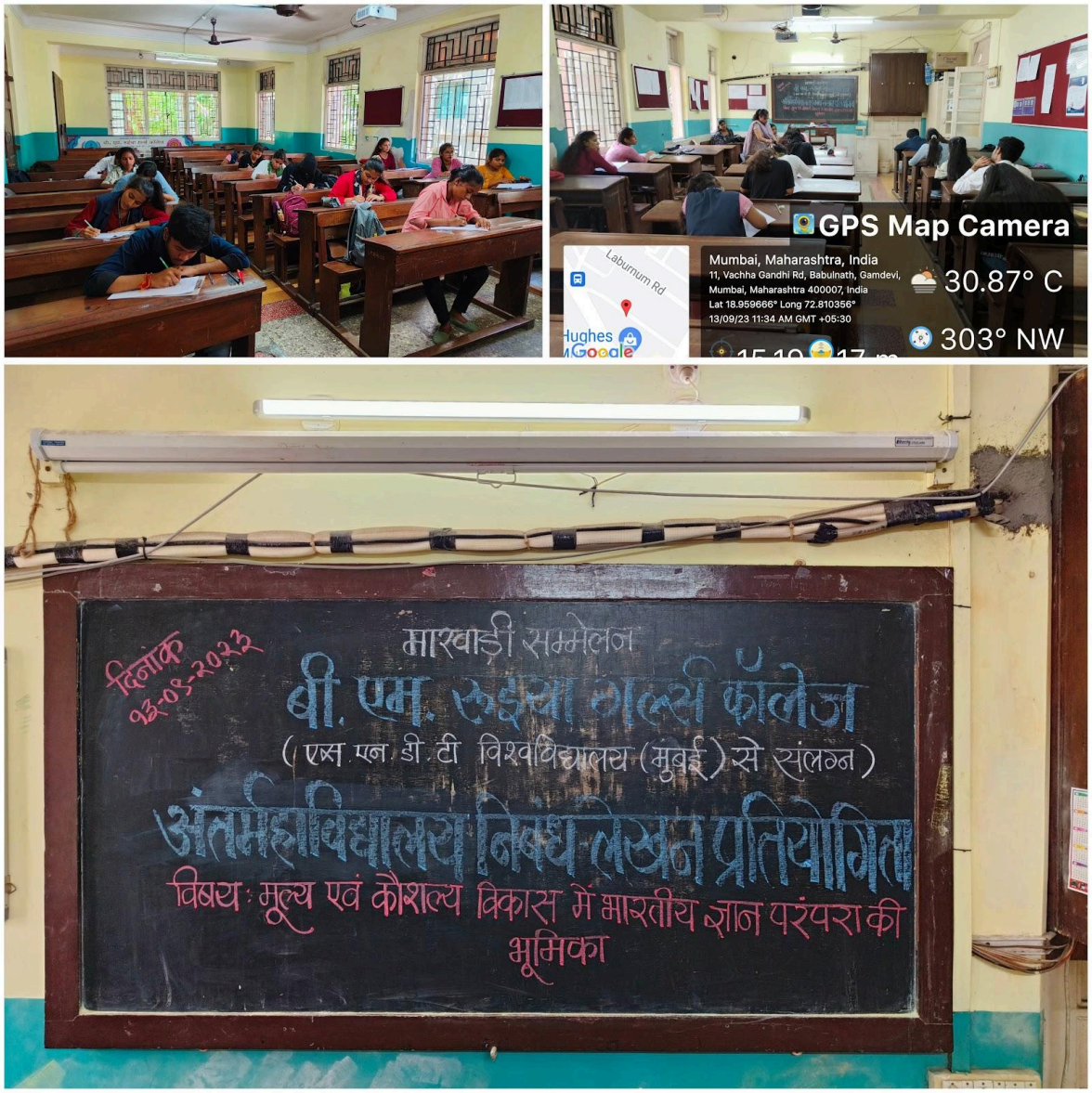

**14** सितंबर **2023** को हिंदी दिवस के अवसर पर श्रीमती सावित्रीदेवी विश्वनाथ चमड़िया अंतर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था **"**आधुनिक शिक्षा पद्धति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश राष्ट्र के विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है।**"**

14 सितंबर, 2023 (मुंबई), मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय से संलग्न, 'महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय सम्मान- वर्ष 2022-23' से सम्मानित बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के अधीन 14 सितंबर 2023 को हिंदी दिवस के अवसर पर श्रीमती सावित्रीदेवी विश्वनाथ चमड़िया अंतर्महाविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था "आधुनिक शिक्षा पद्धति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश राष्ट्र के विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है।"
कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि डॉ. शीतला प्रसाद दुबे (कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी, मुंबई), विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुधा श्रीमाली (बिजनेस एडिटर एवं डेप्युटी न्यूज एडिटर, नवभारत टाइम्स, मुंबई), मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त मंत्री तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता के प्रायोजक श्री ओमप्रकाश चमड़िया एवं मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य श्री आनंद प्रकाश गुप्ता उपस्थित थे। निर्णायक के रूप में डॉ. रमा सिंह, डॉ. रवींद्रनाथ तिवारी एवं डॉ. इंद्र कुमार विश्वकर्मा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डॉ शीतला प्रसाद दुबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि “मारवाड़ी सम्मेलन पिछले 107 वर्षों से लगातार हिंदी माध्यम से मुंबई जैसे व्यावसायिक शहर में अपने शैक्षणिक संस्थाओं के द्वारा बहन-बेटियों की शिक्षा और नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस भावना को प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपनाकर समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव की प्रेरणा लेने का संदेश दिया साथ ही आधुनिक शिक्षा एवं भारतीय परंपरा के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।"

विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुधा श्रीमाली ने अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रासंगिक विषय का चयन इस प्रतियोगिता के लिए करने हेतु प्राचार्या एवं हिंदी विभाग की सराहना की, साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व के विषय में प्रतियोगियों का मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित किया और महाविद्यालय में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु मारवाड़ी सम्मेलन को बधाई दी।

प्राचार्या डॉ संतोष कौल काक ने प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि “बदलते सामाजिक परिवेश और भारतीय मूल्य एवं शिक्षा व्यवस्था को समावेशी बनाना अति आवश्यक है। यह समावेशी व्यवस्था भारतीय प्राचीन ज्ञान परंपरा के बिना नहीं चल सकती। भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत देश की समृद्ध पहचान है और इसे सुरक्षित रखना हमारा उत्तरदायित्व है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसके महत्व को समझते हुए तथा विदेश के साथ सांस्कृतिक संबंधों को स्थापित करने के लिए प्रवासी अध्ययन केंद्र स्थापित कर वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को विकसित किया जा रहा है।"

प्रतियोगिता की निर्णायक मंडली ने भी विषय पर अपना मंतव्य रखते हुए प्रतियोगियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में एस.एन.डी.टी महिला विश्वविद्यालय एवं मुंबई विश्वविद्यालय के लगभग 20 विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।प्रथम पुरस्कार- सेजल शुक्ला (बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार- खुशी शर्मा (वी.पी.एम कॉलेज, मुलुंड),तृतीय पुरस्कार- स्वाति प्रजापति (बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज),अहिंदी भाषी प्रोत्साहन पुरस्कार- वेदांत पंड्या (एन.एम. कॉलेज) एवं प्रतियोगिता की शील्ड पाने का गौरव बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीता मिश्रा तथा प्राध्यापिका श्रीमती मंजू यादव ने किया। निर्णायकों का परिचय श्रीमती सपना भांमरी ने, धन्यवाद ज्ञापन श्री रामलखन पाल ने किया।

हिंदी सप्ताह 2023
(अंताक्षरी प्रतियोगिता)

GPS Map Cam
Mumbai, Maharashtra, India
11, Vachha Gandhi Rd, Babulnath, Gamdevi,
Mumbai, Maharashtra 400007, India
Lat 18.959666° Long 72.810356°
13/09/23 11:34 AM GMT +05:30
30.87
303°

**'भारतीय ज्ञान परंपरा और चरित्र निर्माण'** विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...

30 सितंबर 2023 (मुंबई): 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला' के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज (महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 30 सितंबर 2023 को डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल (निवर्तमान कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) का ऑनलाइन व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और चरित्र निर्माण' विषय पर संपन्न हुआ।

डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल का व्याख्यान तीन हिस्सों में बंटा था। उन्होंने अपने व्याख्यान के शुरुआती वक्तव्य विद्या और ज्ञान के अंतर को स्पष्ट करते हुए ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा की। यह बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा मनुष्य के समस्त दुखों- दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों के परिशमन करने के साथ ही इन तीनों के बंधनों से मुक्त करने में भी सक्षम है। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता को बताते हुए पराभौतिक जिसे एस्ट्रोफिजिक्स कहते हैं जिसमें आजकल ब्रह्मांड का अध्ययन किया जा रहा है, वह इसका एक अंग रहा है।

डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने व्याख्यान के दूसरे हिस्से में यह बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा उस चरित्र के निर्माण पर बल देती जो व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और वैश्विक चरित्र बना सके। साथ ही यह चरित्र को ज्ञान संपन्न बनाने पर बल देती है। यह चरित्र निर्माण में विद्या के साथ व्यक्ति में तत्व निर्माण पर भी बल देती है।

डॉ. रजनीश कुमार शुक्ल ने अपने व्याख्यान के तीसरे हिस्से में भारतीय ज्ञान परंपरा और चरित्र निर्माण पर बात करते हुए परा और अपरा विद्याओं के महत्व की भूमिका को रेखांकित किया।

इसी ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से 52 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। इस व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
नैक प्रत्यायित बी+ (तृतीय चक्र)
महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार 2022-23
एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न
11, कृष्ण कुंज वाच्छा गाँधी रोड, गामदेवी, ग्रांट रोड (पश्चिम), मुंबई - 400007.
Tel : 022 23808130, Email : bmruia@yahoo.com, WEb : bmrgirlscollege.com
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: श्रृंखला 03
भारतीय ज्ञान परंपरा
म. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्र
AC) के संयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत
वलोकन कर उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु आयोजित
यान-माला (ऑनलाइन मोड) में आप सादर आमंत्रित हैं।
भारतीय ज्ञान परंपरा
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: 01
वेषय: भारतीय ज्ञान परंपरा और चरित्र निर्मा
रजनीश कुमार शुक्ल
र्मान कुलपति,
मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,
, महाराष्ट्र.
30 September, 2023
11:30AM
नीचे दिए गए लिंक से कार्यक्रम में जुड़ें
https://meet.google.com/wbsoaqs-
Registration link
https://forms.gle/RunLtY2qjFqyP5qE
निवेदक
श्री सुरेश देवड़ा
मा. महामंत्री,
ाड़ी सम्मेलन, मुंबई.
एडवोकेट सुशील व्यास
अध्यक्ष,
मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई.
डॉ. संतोष कौल का
प्राचार्या
बी.एम. रुइया गर्ल्स क
गामदेवी, मुंबई-400

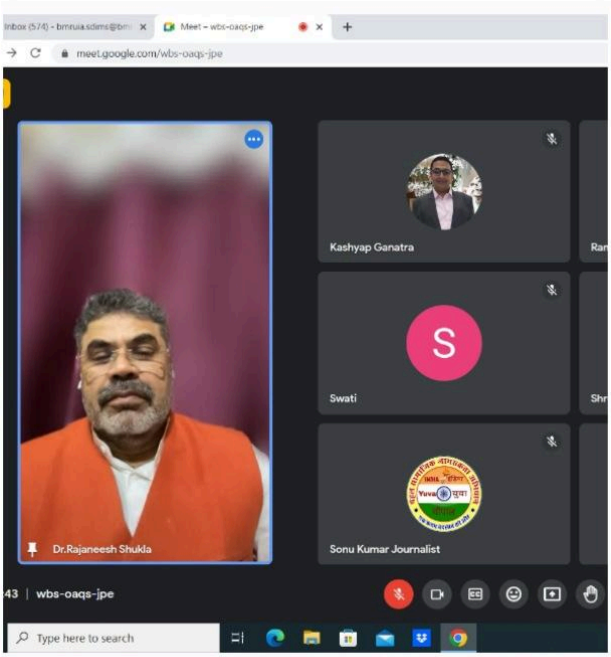
meet.google.com/wbs-oaqs-jpe
Kashyap Ganatra
Swati
Dr.Rajaneesh Shukla
Sonu Kumar Journalist
wbs-oaqs-jpe
Type here to search

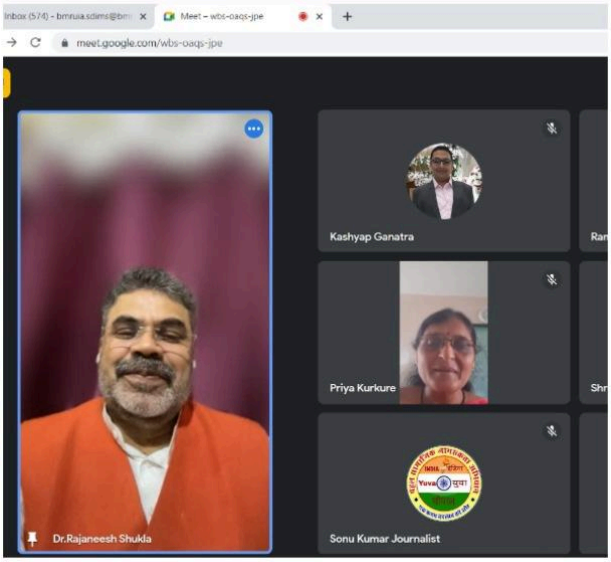
meet.google.com/wbs-oaqs-jpe
Kashyap Ganatra
Priya Kurkure
Dr.Rajaneesh Shukla
Sonu Kumar Journalist

'गांधी की विरासत: सर्वधर्म समभाव' विषय पर भारतीय विद्या भवन में आयोजित गोष्ठी में हिंदी विभाग की छात्राओं ने  सहभाग लिया।

दिनांक 04 अक्टूबर, 2023 को मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित 'महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार: 2022-23' से सम्मानित बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज, गामदेवी, मुंबई हिंदी विभाग के तृतीय वर्ष की छात्राएँ 'मुंबई सर्वोदय मंडल' के संयोजन 'गांधी की विरासत: सर्वधर्म समभाव' विषय पर भारतीय विद्या भवन में आयोजित गोष्ठी में सहभाग लिया। इस गोष्ठी में मुंबई विद्यापीठ के हिंदी विभाग के प्रोफेसर व गांधीवादी चिंतक डॉ. हूबनाथ पांडेय के व्याख्यान के बाद वैचारिक चर्चासत्र में महाविद्यालय की छात्राओं ने सक्रिय रूप से सहभागी रहीं। डॉ. हूबनाथ पांडेय जी ने अपने व्याख्यान में विरासत की अवधारणा को समझाते हुए, सर्वधर्म समभाव की ऐतिहासिकता की बात करते हुए सम्राट अशोक से लेकर गौतम बुद्ध से होते हुए मध्यकाल में सम्राट अकबर और मध्यकालीन संतो की परंपरा की बात की। उन्होंने अपने व्याख्यान में यह भी बताया कि महात्मा गांधी को सर्वधर्म समभाव की यह विरासत प्रणामी संप्रदाय से उनकी माता से उन्हें मिली थी। उन्होंने अपने वक्तव्य में यह बताया कि महात्मा गांधी का व्यक्तित्व ही सर्वधर्म समभाव से निर्मित था। महाविद्यालय की छात्राओं को इस ज्ञानपूर्ण गोष्ठी और चर्चा सत्र का लाभ मिला।

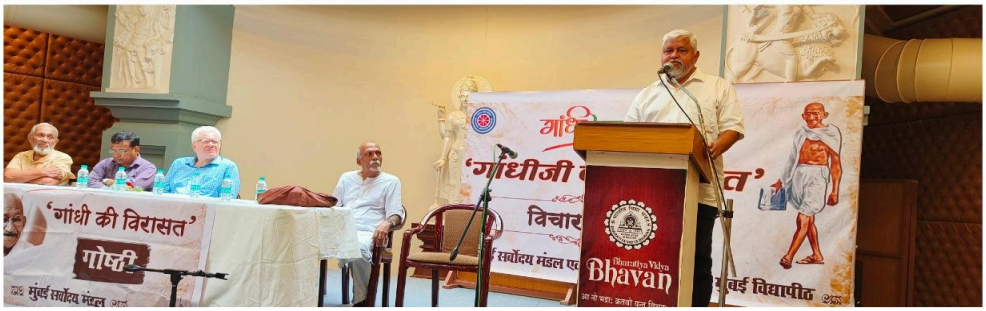

भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षक का उत्तरदायित्व विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...

दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 को मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित 'महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार: 2022-23' से सम्मानित बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज, गामदेवी, मुंबई के हिंदी विभाग के द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजन में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ संतोष कौल काक के मार्गदर्शन में "भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षक का उत्तरदायित्व" विषय पर प्रख्यात शिक्षाविद, लेखक एवं चिंतक डॉ बलवंत जानी, (कुलाधिपति (Chancellor) जनार्दन राय विश्वविद्यालय उदयपुर का ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न हुआ।

डॉ बलवंत जानी ने अपने व्याख्यान की शुरुआत भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता नयी शिक्षा नीति से जोड़ते हुए की और नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को केंद्रीयता प्रदान करने की बात की।

उन्होंने बताया की भारत में भारतीय ज्ञान परंपरा पर नयी शिक्षा नीति में महत्व दिया जा रहा है जबकि दुनिया की महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थानों में भारतीय ज्ञान परंपरा पर लगातार अध्ययन किया जा रहा है। शिक्षक के उत्तर दायित्व की बात करते हुए भारतीय शास्त्रीय संगीत और पाश्चात्य संगीत की तुलना करते हुए कहा कि जहाँ एक ओर पाश्चात्य संगीत हमारे मस्तिष्क को उत्तेजित करता है वहीं दूसरी ओर भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारे मस्तिष्क को शांत करता है और उर्जा प्रदान करता है।

डॉ बलवंत जानी ने शिक्षक के उत्तर दायित्व की बात करते हुए यह बताया कि एक शिक्षक किस प्रकार अपने विद्यार्थी को विनम्रता, सहनशीलता, नियमितता, और उनकी उग्र वृत्तियों का शमन करता है।भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षक अपने छात्रों को एक साथ शास्त्र और शस्त्र अर्थात शास्त्र का अनुप्रयोग दोनों की विद्या एक साथ देते थी जबकि आधुनिक शिक्षा पद्धति हमें सिर्फ शास्त्र का ज्ञान देती है शस्त्र का नहीं।

इसी ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से लगभग 65 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। इस व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

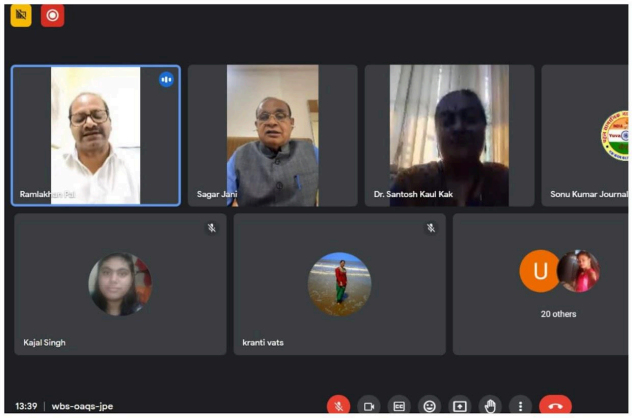
Sagar Jani
Dr. Santosh Kaul Kak
Kajal Singh
kranti vats
20 others
13:39 | wbs-oaqs-jpe

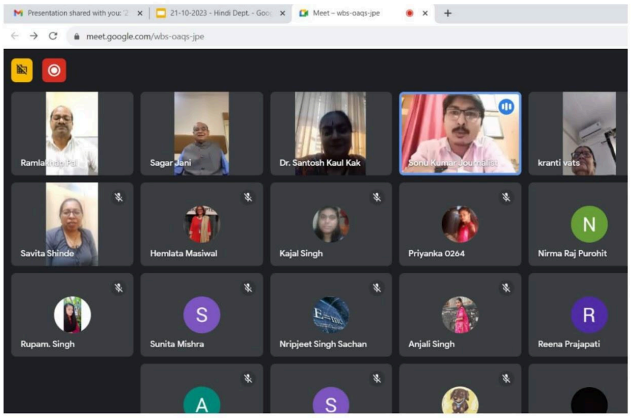
meet.google.com/wbs-oaqs-jpe
Sagar Jani
Dr. Santosh Kaul Kak
kranti vats
Savita Shinde
Hemlata Masiwal
Kajal Singh
Priyanka 0264
Nirma Raj Purohit
Rupam. Singh
Sunita Mishra
Nripjeet Singh Sachan
Anjali Singh
Reena Prajapati

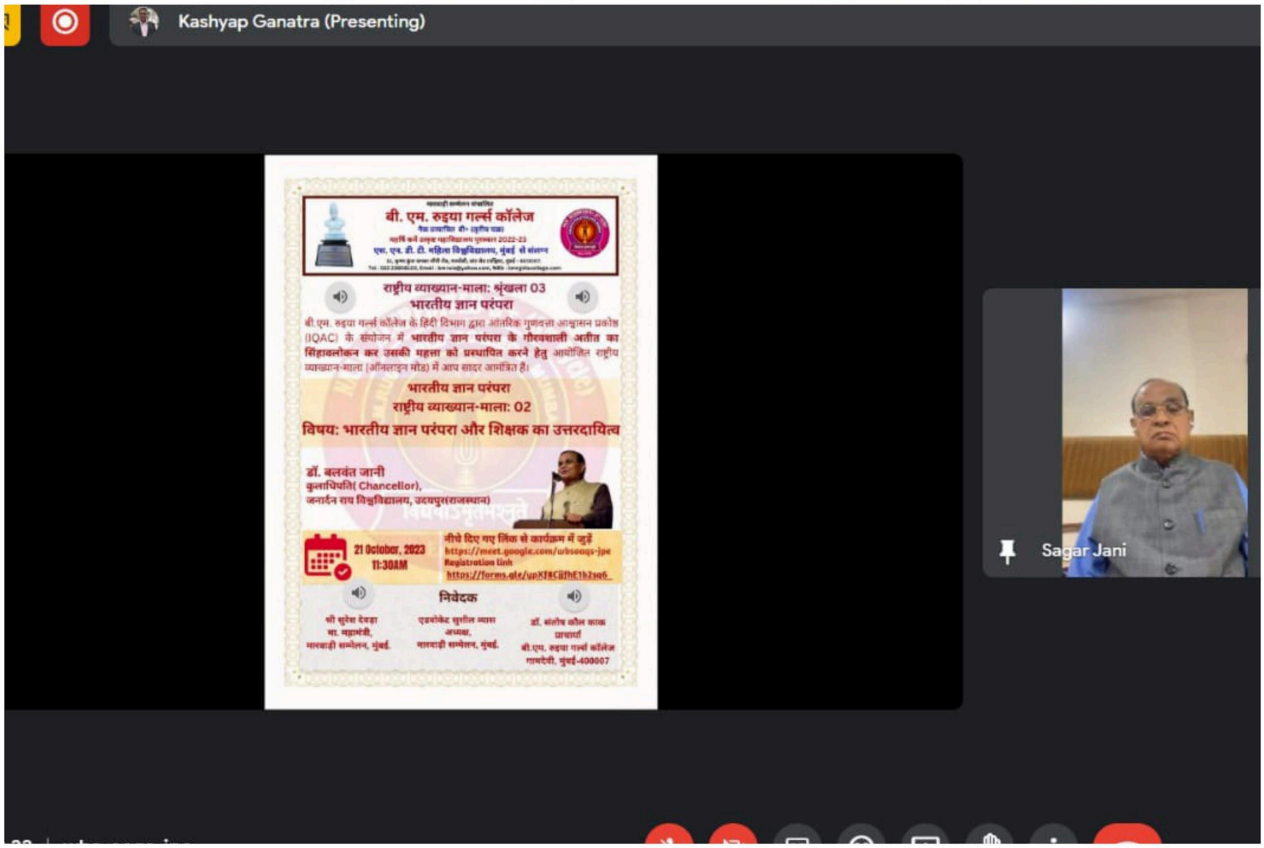
Kashyap Ganatra (Presenting)
बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: श्रृंखला 03
भारतीय ज्ञान परंपरा
भारतीय ज्ञान परंपरा
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: 02
विषय: भारतीय ज्ञान परंपरा और शिक्षक का उत्तरदायित्व
डॉ. बलवंत जानी
कुलाधिपति (Chancellor),
जनार्दन राय नगर विश्वविद्यालय, उदयपुर(राजस्थान)
21 October, 2023
11:30AM
निवेदक
Sagar Jani

**'भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति:2020'** विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न**…**

17 नवंबर 2023 (मुंबई); 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला श्रृंखला:3' के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज (महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 17 नवंबर 2023 को प्रोफेसर उज्ज्वला चक्रदेव (कुलपति, श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई) का ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020 ' विषय पर संपन्न हुआ।

व्याख्यान की प्रास्ताविकी पर अपनी बात रखते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कौल काक ने कहा कि शिक्षा ही वह बुनियाद है, जिससे व्यक्ति, समाज और देश की तरक्की सुनिश्चित होती है क्योंकि वही एक ऐसा प्रभावशाली साधन हैक जो देश के बच्चों से लेकर युवाओं तक के भविष्य का निर्माण करता है। वैश्विक परिवर्तन के इस दौर में भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 हमारे सामने प्रस्तुत की है। भारत के शिक्षाविदों, विद्वानों का मानना है कि भारत, संस्कृति और संस्कृत, ये तीनों शब्द मात्र शब्द नहीं, अपितु प्रत्येक भारतीय के भाव हैं। अतः इस नीति द्वारा आधुनिक शिक्षा पद्धति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश कर राष्ट्र के विकास की दिशा में एक सार्थक पहल करने का प्रयास किया गया है। जिससे हम 'भारत' को जानें, समझें और उसे अपनी आत्मा का अभिन्न अंग बना लें।

कुलगुरु, प्रोफेसर उज्ज्वला चक्रदेव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति:2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को समझाते हुए यह कहा कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था, अपनी परंपराओं के प्रति जागरूकता एक सकारात्मक आत्म छवि के निर्माण के साथ-साथ, उनमें नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया गया था।

नयी शिक्षा नीति भारत की ऐसी प्राचीन ज्ञान-परंपराओं तथा चिर-अर्जित वैज्ञानिक एवं बौद्धिक संपदाओं की अकूत निधि को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी | इसमें आधुनिक ज्ञान-विज्ञान तथा तकनीक के माध्यम से उन उपलब्धियों के अपूर्व समन्वय की संकल्पना की गई है ।

इस ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से 103 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। इस व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

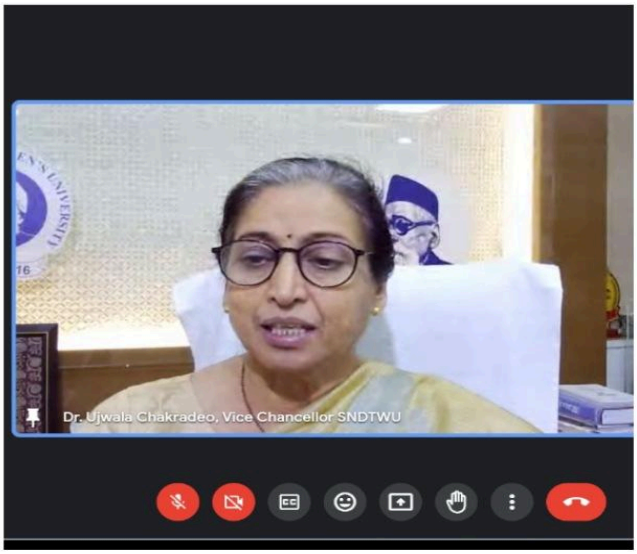

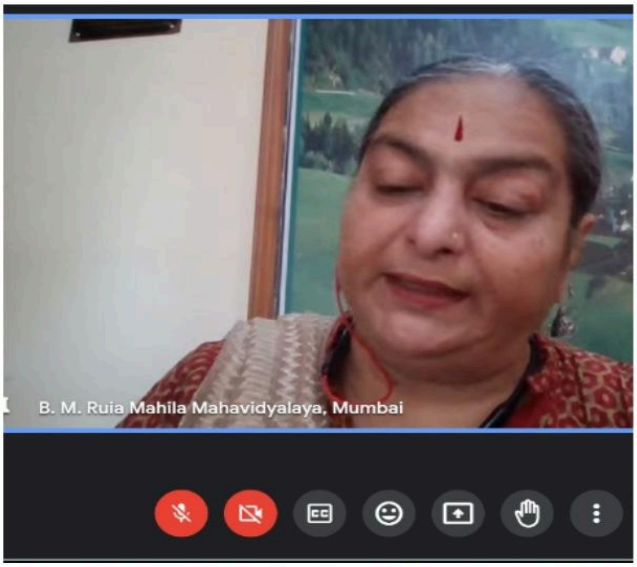

Dr. Ujwala Chakradeo, Vice Chancellor SNDTWU


B. M. Ruia Mahila Mahavidyalaya, Mumbai


मारवाड़ी सम्मेलन संचालित
बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज
नैक प्रत्यायित बी+ (तृतीय चक्र)
महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार 2022-23
एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न
11, कृष्ण कुंज बाबा गाँधी रोड, गामदेवी, ग्रांट रोड (पश्चिम), मुंबई - 400007.
Tel : 022 23808130, Email : bmruia@yahoo.com, WEb : bmrgirlscollege.com
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: श्रृंखला 03
भारतीय ज्ञान परंपरा
बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन कर उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु आयोजित राष्ट्रीय व्याख्यान-माला (ऑनलाइन मोड) में आप सादर आमंत्रित हैं।
भारतीय ज्ञान परंपरा
राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: 03
विषय: भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति:2020
डॉ.उज्ज्वला चक्रदेव
कुलगुरु,
श्रीमती नाथीबाई दामोदर ठाकरसी महिला विश्वविद्यालय,
मुंबई, महाराष्ट्र
17 November, 2023
11:30AM
नीचे दिए गए लिंक से कार्यक्रम में जुड़ें
https://meet.google.com/wbsoaqs-jpe
Registration link

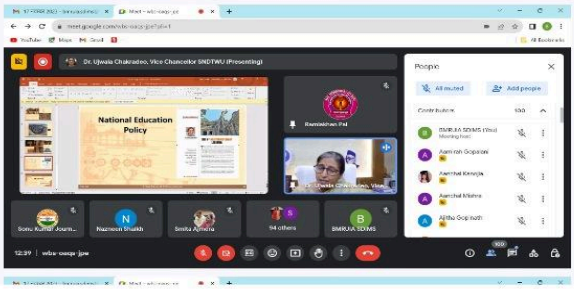

**'भारतीय ज्ञान परंपरा: भक्ति साहित्य और तुलसीदास का श्रीरामचरितमानस' पर महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी एवं बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज की संयुक्त पहल....**

मुंबई (दिनांक 19 दिसंबर) महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी एवं मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में १९ दिसंबर २०२३ को 'भारतीय ज्ञान परंपरा, भक्ति साहित्य और तुलसीदास का श्रीरामचरितमानस' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

उद्घाटन सत्र में संगोष्ठी एवं मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एडवोकेट श्री सुशील व्यास ने मारवाड़ी सम्मेलन के निस्वार्थ सेवाभाव का वर्णन करते हुए कहा कि भाषा आत्मविश्वास बढ़ाने का साधन होना चाहिए। आज जो लोग अपने मार्ग से भटक गए हैं, वे जब श्री रामचरितमानस में वर्णित मूल्यों को अमल में लाएंगे तभी समाज को उचित दिशा मिलेगी।

महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतलाप्रसाद दुबे ने बीज वक्तव्य देते हुए कहा कि आज की समस्याएं, नैतिक मूल्यों में गिरावट, बढ़ते भ्रष्टाचार एवं अपराधीकरण को देखते हुए श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को समझना अधिक आवश्यक हो गया है। यह केवल भक्ति मार्ग के साधकों का भाव ही पुष्ट नहीं करता वरन् आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यवसायिक तथा व्यवहारिक जीवन जीने की सही दिशा के विषय में भी हमारा मार्गदर्शन करता है। उसमें जीवनमूल्यों की प्रतिष्ठा के साथ जीवन के विविध संदर्भों को सहजता से उद्घाटित किया गया है। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा प्रशस्त मार्ग द्वारा भारतीय परंपरा के अनुरूप ज्ञान, गुरुता, भातृत्व त्याग,समर्पण , स्वार्थ त्याग कर जीवन को भारतीय मूल्यों पर आधारित जीवन की तरफ बढ़ाने की आज प्रबल जरूरत है।

बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज की प्राचार्या एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कौल काक ने सभी का स्वागत कर प्रास्ताविकी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में आधुनिक शिक्षा पद्धति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश कर राष्ट्र के विकास की दिशा में एक सार्थक पहल करने का प्रयास किया गया है। भक्ति काल के कवियों विशेषकर गोस्वामी तुलसीदास ने भक्ति के साथ-साथ सदाचरण, नैतिकता, उचित जीवन मूल्यों की चर्चा द्वारा समाज का उन्नयन करने का भरसक प्रयास किया, रामचरितमानस के द्वारा जिन आदर्शों को उन्होंने हमारे समक्ष रखा है, वह हर मनुष्य एवं समाज के लिए वरेण्य हैं।

प्रथम सत्र में अध्यक्ष के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. सदानंद साही ने भक्तिकाल के रचनाकारों द्वारा भारतीय परंपराओं, ज्ञान एवं संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा के प्रयासों

की विशद व्याख्या की। सत्र के प्रमुख अतिथि (सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी के पूर्व अधिष्ठाता, भाषा एवं साहित्य संकाय) डॉ. सतीश पांडेय ने श्रीरामचरितमानस में अनुस्यूत मूल्यों एवं आदर्शों की विस्तृत विवेचना की।

द्वितीय सत्र के अध्यक्ष के रूप में सुविख्यात कवि एवं समीक्षक डॉ. सुधाकर मिश्र ने कहा कि श्रीरामचरितमानस विश्वज्ञानकोश का अद्वितीय अनुपम ग्रंथ है, जिसमें भारतीय नारी की प्रतीक माता सीता को तीन तीन बार आशीष प्राप्त हुआ है। गोस्वामी तुलसीदास की काव्यकुशलता ने इसे विशेष ऊंचाई प्रदान की है। मुख्य अतिथि के रूप में गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास त्यागी ने रामचरितमानस की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसमें तुलसीदास ने समाज, संस्कृति, धर्म, अध्यात्म, साहित्य, ज्ञान-विज्ञान और पौराणिक दर्शन को भी बहुत ही सरस, सरल और विज्ञानमय भाषा के माध्यम से समझाने का सफल प्रयास किया है।

समापन समारोह में अध्यक्ष के रूप में डॉ शीतलाप्रसद दुबे (कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी) ने पुनः समारोह की सफलता के बिंदुओं को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि के रूप में एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय की प्र कुलगुरु डॉ.रूबी ओझा ने संगोष्ठी के सफल आयोजन पर महाविद्यालय को बधाई देते हुए लगातार ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने का पुनीत कार्य करने हेतु महाविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि साहित्यकार समाज के पारखी होते हैं व अपने साहित्य के माध्यम से समाज में समरसता स्थापित करने एवं वैमनस्य खत्म करने का प्रयास करते हैं। सम्माननीय अतिथि एवं महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्रीमती मंजू लोढ़ा ने अपनी रचनाओं के काव्य पाठ द्वारा कार्यक्रम को ऊर्जा से भर दिया।

विभिन्न सत्रों में विषय विशेषज्ञ के रूप में के प्रोफेसर डॉ. श्यामसुंदर पांडेय (बिड़ला स्वायत्तशासी महाविद्यालय), डॉ. उर्मिला सिंह (के.ई.एस श्रॉफ कॉलेज, हिंदी विभागाध्यक्ष), डॉ. सत्यवती चौबे ( विल्सन स्वायत्त महाविद्यालय, हिंदी विभागाध्यक्ष) एवं डॉ. भगवती प्रसाद उपाध्याय ( सेंट जेवियर्स कॉलेज,असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी विभाग) उपस्थित थे। संगोष्ठी के सत्रों का संचालन डॉ. सुनीता मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, श्री रामलखन पाल, डॉ. चंपा मासीवाल (स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, एम. डी. शाह महिला कॉलेज), अभिमत प्रस्तुति श्रीमती मंजू यादव ने एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. नूरूज़िया काज़ी ने किया। अंत में सुप्रसिद्ध गायक व संगीत निर्देशक अहमद फ़राज़ खान जी ने अपनी सुमधुर आवाज में भजन प्रस्तुत कर सबको मंत्र मुक्त कर दिया। इस संगोष्ठी में मुंबई व अन्य राज्यों से लगभग १५० प्रतिभागियों ने सहभागिता की ।

Marwadi Sammelan's
B. M. RUIA GIRLS COLLEGE
"नारी शिक्षा के लिए
समर्पित संस्था"
Vision

Marwadi Sammelan's
B. M. RUIA GIRLS COLLEGE
"नारी शिक्षा के लिए
समर्पित संस्था"

**'भारतीय ज्ञान परंपरा और आत्मनिर्भरता' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...**

23 जनवरी 2024 (मुंबई); 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला श्रृंखला:3' के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज (महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 23 जनवरी 2024 को श्री भुजंग रामराव बोबडे सर, निदेशक, ज्ञान संसाधन केंद्र, रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन(भारतीय शिक्षण मंडल) नागपुर, महाराष्ट्र का ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और आत्मनिर्भरता' विषय पर संपन्न हुआ।

श्री भुजंग रामराव बोबड़े जी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत 'सा विद्या या विमुक्तये' श्लोक से करते हुए कर्म और विद्या के महत्व और प्रासंगिकता से परिचय कराया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा पर बात करते हुए भारत की नयी परिभाषा बताते हुए कहा कि भा+रत अर्थात ज्ञान अर्थात प्रकाश में रत रहना के द्वारा यह बताया कि हमारी परंपरा व्यष्टि की बात न करके समष्टि की बात करता है। यह परंपरा हमें यह सिखाती है कि हमें अपना पेट भरने तक सीमित न होकर अपने आसपास के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर बल देती है।आत्मनिर्भरता की बात करते हुए श्री भुजंग बोबड़े जी ने मातृभाषा की महत्ता की बात की, साथ ही उन्होंने पढ़ाई के दौरान सीखने की प्रक्रिया पर बात करते हुए शाश्वत विकास पर बल दिया। उन्होंने व्यक्ति के जीवन की भूलभूत अनिवार्यता की बात करते हुए स्वच्छ हवा, स्वच्छ पानी और स्वस्थ अनाज के द्वारा आत्मनिर्भरता की मूलभूत आवश्यकता पर बड़ी सरलता से बात रखी। इस ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से 54 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज में 'श्री राम प्रसाद पोद्दार अंतर्महाविद्यालय भजन प्रतियोगिता' संपन्न..

09 फरवरी 2024 (मुंबई), मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न 'महर्षि कर्वे सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय: वर्ष 2022-23' सम्मान से सम्मानित, बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग एव सांस्कृतिक समिति द्वारा 'श्री रामप्रसाद पोद्दार अंतर्महाविद्यालय भजन प्रतियोगिता का आयोजन 09 फरवरी 2024' को किया गया। इस प्रतियोगिता में एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय एवं मुंबई विश्वविद्यालय के लगभग 15 महाविद्यालयों के 24 विद्यार्थी प्रतियोगियों ने सहभाग लिया।

इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के मानद महामंत्री श्री सुरेश देवड़ा जी, सम्माननीय अतिथि एवं निर्णायिका सौ. शुचिता शिरीष आठलेकर तथा निर्णायक के रूप मे दिपाली ठेकेदत्त एवं श्री फराज खान उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगियों ने सुमधुर भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम की सम्माननीय अतिथि एवं निर्णायिका सौ. शुचिता शिरीष आठलेकर , दिपाली ठेकेदत्त एवं निर्णायक श्री फराज खान ने सुमधुर आवाज में भजन प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को संगीत के सुर-ताल की जानकारी दी तथा उनका मार्गदर्शन किया ।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संतोष कौल काक ने इस प्रतियोगिता को आरंभ करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई के पुरोधाओं की दूरदर्शिता की सराहना की और कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से हम अपनी युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ने, जीवन की आपा-धापी की उलझनों के बीच ज़हनी सुकून पाने, अपने भीतर के देवत्व को पहचानने और शांति पूर्ण जीवन जीने का रास्ता सुझाने का प्रयत्न करते हैं।"

कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती सपना भांबरी (अर्थशास्त्र) एवं प्राध्यापिका श्रीमती मंजू यादव (हिंदी) द्वारा किया गया। नियमों की जानकारी प्राध्यापिका श्रीमती पूनम सिंह (हिंदी) अतिथियों एवं निर्णायकों का परिचय एवं धन्यवाद ज्ञापन सहयोगी प्राध्यापिका श्रीमती श्रुति रानडे (मनोविज्ञान) ने किया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार: भक्तकोलाहलन श्रीनिवासन (विवेकानंद कालेज), द्वितीय पुरस्कार: प्राप्ति दहिवालिकर विवेक (के. इ. एस. श्राफ कालेज), तृतीय पुरस्कार: विभव सवदी (पाटकर कालेज), प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार: अजय खर्ब (सेंट जेवियर्स कालेज), द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार: दुर्वा जगदाले ( एस.एन.डी.टी.कॉलेज) एवं इस वर्ष शील्ड प्राप्त करने का गौरव के. इ. एस.श्राफ कॉलेज को प्राप्त हुआ।

Marwadi Sammelan's
B.M. RUIA GIRLS' COLLEGE

B.M. RUIA GIRLS' COLLEGE

**बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज में अन्तर्महाविद्यालय स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता संपन्न...**

10 फरवरी 2024 (मुंबई) मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुंबई से संलग्न 'महर्षि कर्वे सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय: वर्ष 2022-23' सम्मान से सम्मानित, बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा 'अन्तर्महाविद्यालय स्वरचित काव्य-पाठ प्रतियोगिता' का आयेजन 10 फरवरी 2024 को किया गया। इस प्रतियोगिता में एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय एवं मुंबई विश्वविद्यालय के लगभग 15 महाविद्यालयों के 25 विद्यार्थी प्रतियोगियों ने सहभाग लिया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई के अध्यक्ष एडवोकेट श्री सुशील व्यास जी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कवि और लेखक श्री विजय कुमार गुप्ता जी, सम्माननीय अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन, मुंबई के मानद महामंत्री श्री सुरेश देवड़ा जी उपस्थित थे। निर्णायक के रूप में संस्कार पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती साधना कांबले जी एवं एल.जे.एन.जे. महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कैलाश चौहान जी उपस्थित थे।

मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एडवोकेट श्री सुशील व्यास जी ने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रतियोगियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि,"हमारे विद्यार्थियों को समय, काल के अनुसार अपनी कविता द्वारा एक ठोस संदेश समाज को देते हुए अपनी रचना करनी चाहिए जिससे कविताओं में समाजबोध बना रहे और उनकी सार्थकता भी बनी रहे।"

मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार गुप्ता जी ने महाविद्यालय के इस सफल आयोजन की सराहना की। उन्होंने उपस्थित प्रतियोगिओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि कविता में निहित संवेदना और भाव और उसकी वैचारिकी महत्वपूर्ण है। कविता खुद का खुद में लौटना है। स्वयं से मिलना है। यह मन की वह अभिव्यक्ति है जो जीवन के हर मुकाम, हर पड़ाव पर, हर सुख- दुख में अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने नवोदित कवियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिंदगी में संभावनाओं का अंत नहीं होता। अंत में उन्होंने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कर सभी श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संतोष कौल काक जी ने कहा कि कवि कविता की रचना मात्र स्वान्त: सुखाय नहीं करता, वह समाज और सृष्टि के जड़-चेतन, कण-कण में व्याप्त छोटी से छोटी इकाई से लेकर बड़ी से बड़ी इकाई के सुख-दुख, घृणा, आवेश, प्रेम सभी प्रकार की भावनाओं को समेट कर अपनी वाणी देता है। प्रतियोगियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आप भी समाज सृष्टि के कण-कण को जानें, समझें तथा उसे अपनी कविता में उतारें क्योंकि कविता जिंदा है तो हृदय का स्पंदन जिंदा रहेगा, हृदय का स्पंदन जिंदा रहेगा तो हम जिंदा रहेंगे। निर्णायक की भूमिका निभाते हुए श्रीमती साधना कांबले जी ने प्रतियोगियों को बताया कि प्रयास करते रहने, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाये रखने से ही जीवन में सफलता अवश्य मिलती है। एवं श्री कैलाश चौहान जी ने अपने अनुभवों द्वारा प्रतियोगियों को निरंतर अच्छे कवियों, अच्छी रचनाओं को पढ़ने के विषय में मार्गदर्शन किया।

अतिथियों एवं निर्णायकों का परिचय सहयोगी प्राध्यापिका श्रीमती श्रुति रानडे (मनोविज्ञान) ने दिया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती सपना भांबरी (वाणिज्य) एवं प्राध्यापिका श्रीमती मंजू यादव (हिंदी) द्वारा किया गया। नियमों की जानकारी प्राध्यापक श्री रामलखन पाल( हिंदी विभाग) ने एवं धन्यवाद सहयोगी प्राध्यापिका डॉ. सुनीता मिश्रा (हिंदी विभाग) ने दिया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार: नरगिस शेख (बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज), द्वितीय पुरस्कार: मकदूम नाहिद शाह (के.ई.एस. श्राफ कॉलेज), तृतीय पुरस्कार: शाह जोहरा बानो (के.ई.एस.श्राफ कॉलेज), प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार: प्रवीण विसराम (विवेकानंद एजुकेशन सोसायटी कॉलेज), द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार: सायमा चौधरी (के.सी. कॉलेज) एवं शील्ड प्राप्त करने का गौरव के. ई. एस. श्राफ कॉलेज, कांदिवली को प्राप्त हुआ।

Marwadi Sammelan's

Marwadi Sammelan's
B.M. RUIA GIRLS' COLLEGE

**'भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...**

22 फरवरी 2024 (मुंबई); 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला श्रृंखला:3' के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित, महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार (2022 - 2024) से पुरस्कृत SNDT महिला विश्वविद्यालय से संलग्न, बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 22 फरवरी 2024 को प्रसिद्ध खगोल विज्ञानी डॉ. जे.जे. रावल जी, अध्यक्ष इंडियन प्लेनेटरी सोसाइटी का ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान' विषय पर संपन्न हुआ।

डॉ. जे.जे. रावल ने अपने वक्तव्य की शुरुआत करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान केंद्रित रही है। वेदों से लेकर मध्यकाल तक यह विज्ञान सम्मत और अक्षुण्ण रही है। भारतीय ज्ञान परंपरा में विज्ञान का उद्भव हमें ईसा से 3000 वर्ष पूर्व मिलता है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की खुदाई से प्राप्त अवशेषों और वहाँ के निवासियों के उपकरणों से यह पुष्ट होता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा विज्ञान की दृष्टि से बहुत ही समृद्ध रही है। चाहे हम खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, धातु विज्ञान, ज्योतिष की बात करें हम पाश्चात्य देशों से लगभग 1000 वर्ष विज्ञान और वैज्ञानिक सोच में आगे थे। सौर्यमंडल की वैज्ञानिकता को भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज से 5000 वर्ष पूर्व सूर्य को लेकर हमारे ऋषि-मुनियों ने जो भविष्य वाणी की थी, उसी पर आज हम रिसर्च कर रहे हैं।

महर्षि विश्वामित्र की कथा के क्रम में उन्होंने यह बताया कि विश्वामित्र ने त्रिसंकु को अंतरिक्ष स्थापित किया था। आज का विज्ञान भी अंतरिक्ष में अपने स्टेशन स्थापित करने और सेटेलाइट को भेजने की कोशिश भी वही अनुकरण है।

उन्होंने अपने व्याख्यान में यह भी बताया सूर्य को लेकर हमारे ऋषि-मुनियों ने जो भविष्य वाणी की थी आज के खोज और अनुसंधान को देखे तो हम उसी दिशा में बढ़ते नजर आयेंगे। आज हम आदित्य मिशन के द्वारा L1 और L2 का अध्ययन भी उनकी विचारों पर ही मुहर लगा रहा है।

डॉ. रावल सर ने यह बताया कि ब्रह्माण्ड को समझने के लिए गणितीय अंकों का आविष्कार किया यदि नहीं किया होता तो शायद हम दूरी की सापेक्षता सिद्धांत की कल्पना नहीं कर सकते। उन्होंने द्रौपदी स्वयंवर और लाक्षागृह की वैज्ञानिकता को बहुत ही सरलता से समझाया ।

इस ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से 54 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। साथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग और समाजशास्त्र की लगभग 15 छात्राएँ कक्ष संख्या में उपस्थित रहकर व्याख्यान को सुना। व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

## राष्ट्रीय व्याख्यान-माला: 03

# भारतीय ज्ञान परंपरा

बी.एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के संयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन कर उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु आयोजित राष्ट्रीय व्याख्यान-माला (ऑनलाइन मोड) में आप सादर आमंत्रित हैं।

## राष्ट्रीय व्याख्यान-माला :06

## विषय: भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान

डॉ. जे. जे. रावल

Registration link

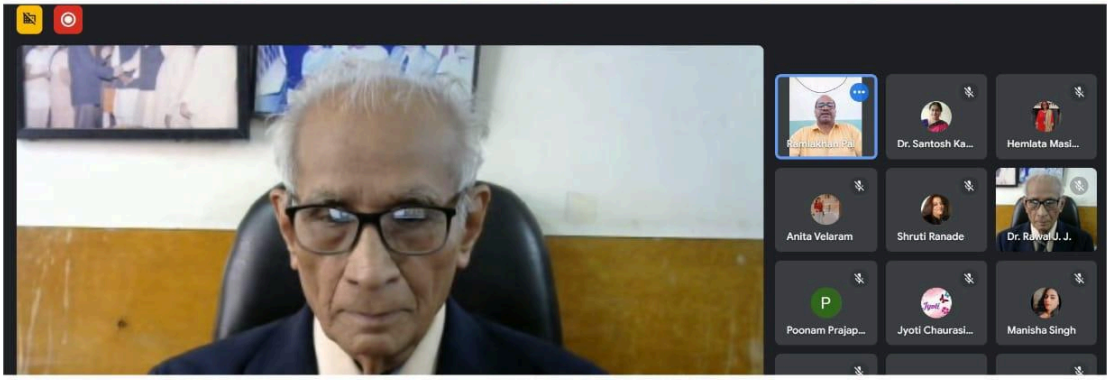

भारतीय ज्ञान परंपरा और मानवता विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...

29 मार्च 2024 (मुंबई); 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला श्रृंखला:03 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित, महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार (2022 - 2024) से पुरस्कृत SNDT महिला विश्वविद्यालय से संलग्न, बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 29 मार्च 2024 को सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री नीलकण्ठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खण्डवा, पूर्व निदेशक,

निराला सृजनपीठ, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग म.प्र. शासन भोपाल का ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और मानवता' विषय पर संपन्न हुआ।

श्रीराम परिहार जी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत करते हुए यह कहा कि हम वसुधा को ही अपना परिवार माने। अर्थात इस धरा पर बसने वाला प्राणी मात्र मेरा परिवार है। यही मानवता का मूल उत्स भी है। मानवता माने सहानुभूति, सामाजिक-धार्मिक समरसता, नैतिकता से परिपूर्ण मनुष्य। हमारी ज्ञान परंपरा यानी भारतीय ज्ञान परंपरा का तो यह अंतिम लक्ष्य है।

उन्होंने यह बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में मानवता को सर्वोपरि माना गया है। यह परंपरा हर व्यक्ति में दिव्यता का अंश देखती है और सभी को समानता और सम्मान का हक प्रदान करती है। सभी मनुष्य एक ही परमात्मा के अंश हैं और उन्हें समानता, सम्मान, और प्रेम का सहज अधिकार होता है।

यह व्याख्यान महाविद्यालय के मेजर श्री रामप्रसाद पोद्दार सभागृह में हुआ। इसमें लगभग 70 छात्राएँ-पूर्व छात्राएँ और 10 प्राध्यापक सहभागी रहे। साथ ही गूगल मीट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 25 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया।व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

Marwadi Sammelan's
NAAC Accredited B+ 3rd Cycle
OH, YES.

OF MANAGEMENT STUDIES

"नारी शिक्षा के लिए समर्पित संस्था"


Marwadi Sammelan's
B. M. RUIA GIRLS' COLLEGE
"नारी शिक्षा के लिए समर्पित संस्था"
Vision
Empowerment and Enlightenment

**'भारतीय ज्ञान परंपरा में महिला विदुषियों का योगदान' विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान संपन्न...**

19 अप्रैल 2024 (मुंबई): 'भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यानमाला' के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के गौरवशाली अतीत का सिंहावलोकन करने व उसकी महत्ता को प्रस्थापित करने हेतु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित बी. एम. रुइया गर्ल्स कॉलेज (महर्षि कर्वे उत्कृष्ट महाविद्यालय पुरस्कार-2022-23) के हिंदी विभाग द्वारा IQAC के संयोजन में 19 अप्रैल 2024 को डॉ. आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी (निवर्तमान कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा) का ऑनलाइन व्याख्यान 'भारतीय ज्ञान परंपरा और चरित्र निर्माण' विषय पर संपन्न हुआ।

आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी जी ने वैदिक युग की वीरांगना विषपला के विषय में बात करते हुए आपने बताया भारतीय ज्ञान परंपरा में कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण का पहला संदर्भ मिलता है।

सर आपने ब्रम्हाज्ञानी अपाला और घोषा के योगदान का उल्लेख किया। आपने उपनिषदीय ब्रम्हज्ञानी विदुषी ऋषि गार्गी के तत्वमीमांसीय ज्ञान के योगदान का उल्लेख किया। उनके पराभौतिक ज्ञान का भी उल्लेख किया।

सर आपने मैत्रेयी विदुषी ऋषि के द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा में अमरत्व व परम तत्व सत्ता के महत्व को बताया।

उन्होंने यह भी बताया कि उपनिषद काल और महाभारत काल की सुलभा और सुवर्चला के योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि तत्वमीमांसीय ज्ञान की भारतीय ज्ञान परंपरा में उल्लेखनीय योगदान रहा है। साथ ही शब्द और भाषा के पारस्परिक संबंध की चर्चा की। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा में 12 वीं शताब्दी की महान विदुषी लीलावती के द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा में गणित विषय में योगदान की चर्चा की तथा काव्यशास्त्र में अवंतिसुंदरी के योगदान की चर्चा करते हुए कविता में शब्द और अर्थ की महत्ता के साथ त्रिपाठी जी के व्याख्या का समापन हुआ।

इस ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान में देश के विभिन शहरों से लगभग 60 शिक्षा से जुड़े लोगों ने सहभाग लिया। व्याख्यान का संचालन और आभार हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री रामलखन पाल ने दिया।

meet.google.com/wbs-oaqs-jpe?pli=1
Sunita Mishra
Dr. Iliyas Mem...
Jyoti Pal
Champa Masi...
Aanchal Mishra
Dr. Santosh Ka...
Dr Smriti Kum...
Swati
Vrushali Chau...
Rupali Prajapati
Dr. Manish D. ...
Uma Prabhu
Shruti Ranade
Mangala Chau...
Hemlata Masi...
Kajal Singh
Prachi V Singh
Poonam Praja...
Mangala Patil
Sabrin Shaikh
Rupam. Singh
व्याख्यान-माला
राष्ट्रीय व्याख्यान माला-08
विषय: भारतीय ज्ञान परंपरा में महिला विदुषियों का योगदान
डॉ. आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी
संस्कृत-हिंदी-अंग्रेजी के मनीषी
पूर्व कुलपति
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
18 अप्रैल, 2024
11.00 बजे दिन
नीचे दी गई लिंक से व्याख्यान में जुड़े
https://meet.google.com/wbs-oaqs-jpe
Registration link-